

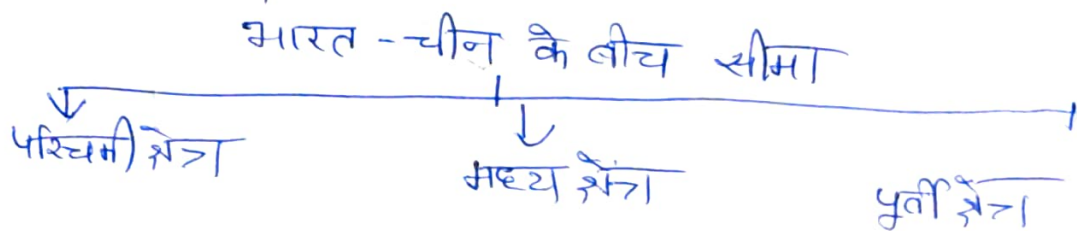
कृत्रिम सीमाएं (Artificial Boundaries)

भारत की स्थलीय सीमा पर उत्तर में नेपाल, भूटान और तिब्बत, पुरब में बांग्लादेश, लगभग ग्यांमर और पश्चिम में पाकिस्तान देश स्थित हैं। कश्मीर की उत्तरी पश्चिमी सीमा पर अफगानिस्तान की सीमाएं भी भारत को छूती हैं जिसे डुरण्ड रेखा कहते हैं।

भारत और चीन के बीच सीमा (Indo China Boundary)

भारत और चीन के बीच की सीमा रेखा को मैकमोहन रेखा कहते हैं। यह रेखा 1914 ई में शिमला में एक द्विपक्षीय सम्मेलन (जिसमें भारत, चीन और तिब्बत के राजदूत उपस्थित थे) में निर्धारण की गयी थी। यह भारत की उत्तरी पूर्वी सीमा है जो 4,224 किलोमीटर से अधिक लम्बी है। कुछ स्थानों पर नदियां जै और कुछ स्थानों पर हिमालय पर्वत की चोटियां या शीर्ष रेखा जै इसे प्राकृतिक रूप से निर्धारित किया है। इस सीमा के समीपवर्ती क्षेत्र पहाड़ी और कभील होने के कारण बहुत ही कम बसें हैं।

यह सीमा रेखा ~~स्व~~ को तीन भागों में विभक्त किया गया है।



(क) पश्चिमी क्षेत्र - इसका दौ - तिब्बत काग तिब्बत और
काश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में है। यह
सीमा 1942 में काश्मीर राज्य के प्रतिनिधि और तिब्बत
के दलाईलामा तथा चीन सम्राट के प्रतिनिधियों की एक
संधि के अनुसार तय की गया था। यह सीमा
रेखा लगभग 1,770 किलोमीटर लम्बी है जो भारत, चीन
और अफगानिस्तान के मिलन बिन्दु से आरम्भ होती
है और जम्मू - काश्मीर राज्य को तिब्बत और
सिन्धु से अलग करती है।

(ख) मध्य क्षेत्र - यह सीमा रेखा हिमालय प्रदेश और
उत्तर प्रदेश को तिब्बत से अलग करता
है। यह सम्भाग की सीमा हिमालय के जल
विभाजक द्वारा अंकित है। इसको सामान्य संधियों
और परम्परागत स्वीकृति से मान्यता प्राप्त है।
इस रेखा का उल्लेख अप्रैल, 1954 में भारत - चीन
समझौते में किया गया है।

(ग) पूर्वी क्षेत्र - सिक्किम और तिब्बत में एक प्राकृतिक
सीमा है, जो जल - विभाजक के सहारे
फेली है। यह सीमा भूतान से पुरुब की ओर भारत
चीन - म्यांमार सीमा के संगम तक लगभग 1,225
किलोमीटर तक फैली है। इसका निर्धारण 1913-14
के त्रिदलीय सम्मेलन में किया गया था।

/ NEXT CLASS